CBSE 2025 हिन्दी (अ) — सेट 1 — Answer Key

English Medium

Time Allowed: 3 Hours | Maximum Marks: 80

General Instructions:

1. This question paper contains 38 questions. All questions are compulsory.
2. Section A has 20 MCQs carrying 1 mark each.
3. Section B has 6 questions carrying 2 marks each.
4. Section C has 6 questions carrying 3 marks each.
5. Section D has 4 questions carrying 5 marks each.
6. Section E has 3 case-study based questions carrying 4 marks each.
7. Draw neat figures wherever required.

Q.1(i) [1 mark]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए :

दिनकर जी ने माना है कि उन पर प्रारम्भ से ही जितना प्रभाव रवीन्द्रनाथ ठाकुर का रहा उतना ही मोहम्मद इकबाल का। बाद में इलियट की काव्य-शैली और विचार-दृष्टि ने उनके कवि मानस को छूकर दूर भीतर तक उन्मथित कर दिया। परिणामत: उनकी कविताओं ने एक नई भंगिमा को ग्रहण किया।

दिनकर जी अपने युग के एक प्रमुख कवि ही नहीं, सफल और प्रभावपूर्ण गद्य लेखक भी थे। सीधी-सरल भाषा और अत्यन्त प्रांजल शैली में उन्होंने विभिन्न साहित्यिक विषयों पर निबन्ध भी दिए हैं, तो बोधकथा, डायरी-संस्मरण भी, और दर्शन-इतिहासगत तथ्यों के विवेचन भी।

'दिनकर' जी जीवन भर संघर्षरत रहे। साहित्य और राजनीति दोनों के बीच उनका मन रमता था और इन दोनों ही क्षेत्रों में उनको सफलता मिली। साहित्य जगत द्वारा प्रदत्त ज्ञानपीठ पुरस्कार ने दिनकर जी को प्रफुल्लित कर दिया। उनके अन्तरंग मित्रों को यह ज्ञात है कि ज्ञानपीठ पुरस्कार उनके जीवन के अन्तिम अध्याय का स्वर्णिम क्षण सिद्ध हुआ। पुरस्कार प्राप्त कर 'दिनकर' जी अभिभूत थे क्योंकि कवि का मन अपनी रचनाओं की स्वीकृति, विशेष रूप से सुधीजनों द्वारा उनका प्रशंसित और समादृत होना, अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानता है। ज्ञानपीठ पुरस्कार के मिलने के बाद उन्होंने अप्रैल, 1974 में तिरुपति की यात्रा की। जब 'दिनकर' जी मद्रास पहुँचे तो यह एक सुखद संयोग था कि उनके सर्वाधिक स्नेही मित्र थे गंगाशरण सिंह और जयप्रकाश बाबू भी वहीं थे। उसी शाम उन्होंने मद्रास के समुद्र तट पर अपने कुछ मित्रों को अपनी सुन्दर-सुन्दर रचनाएँ सुनाईं। तब कोई नहीं जानता था कि आज 23 – 24 अप्रैल की शाम गंगा की गोद में उत्पन्न दिनकर जी के अस्ताचल जाने की शाम थी। उसी रात मद्रास में ही 'दिनकर' जी की जीवन लीला समाप्त हो गई और फिर उनका पार्थिव शरीर मद्रास से दिल्ली होकर पटना लाया गया।

दिनकर जी के लेखन पर किन-किन कवियों का प्रभाव रहा है ?

I. इलियट

II. रवीन्द्रनाथ ठाकुर

III. मोहम्मद इकबाल

IV. गंगाशरण सिंह

(a) I, III और IV

(b) I, II और III <<

(c) II, III और IV

(d) I, II और IV

Explanation:

गद्यांश के अनुसार दिनकर जी पर रवीन्द्रनाथ ठाकुर, मोहम्मद इकबाल और इलियट का प्रभाव रहा। गंगाशरण सिंह उनके मित्र थे, कवि नहीं। अतः सही विकल्प (B) है।

Q.0 [0 mark]

दिनकर जी के बारे में कौन-सा तथ्य असत्य है ?

(a) वे एक प्रमुख कवि थे परंतु असफल गद्य लेखक भी थे। <<

(b) उनकी शैली प्रांजल थी तथा वे साहित्यिक निबंध लिखते थे।

(c) ज्ञानपीठ पुरस्कार उनके जीवन के अंतिम अध्याय का स्वर्णिम पन्ना है।

(d) बोधकथा, डायरी, संस्मरण के अतिरिक्त दिनकर जी ने इतिहास के विषय में भी लिखा है।

Explanation:

गद्यांश में स्पष्ट है कि दिनकर जी 'सफल और प्रभावपूर्ण गद्य लेखक भी थे', न कि असफल। इसलिए विकल्प (A) असत्य है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : पुरस्कार प्राप्त कर मन अभिभूत हो जाता है ।

कारण : पुरस्कार विद्वज्जनों द्वारा दी जाने वाली सराहना और सम्मान का प्रतीक है ।

(a) कथन गलत है और कारण भी पूरी तरह गलत ही है।

(b) कथन सही है परंतु कारण आंशिक रूप से सही है।

(c) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या भी है। <<

(d) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

Explanation:

गद्यांश में कहा गया है कि कवि का मन अपनी रचनाओं की स्वीकृति और सुधीजनों द्वारा प्रशंसित होने को सबसे बड़ी उपलब्धि मानता है। अतः कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या भी है।

Q.0 [0 mark]

दिनकर जी की रचनाशीलता की दो विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए।

Answer: दिनकर जी की रचनाशीलता की दो विशेषताएँ: (1) वे कवि होने के साथ-साथ सफल गद्य लेखक भी थे — उन्होंने निबंध, बोधकथा, डायरी-संस्मरण आदि लिखे। (2) उनकी भाषा सीधी-सरल और शैली अत्यन्त प्रांजल थी — विभिन्न साहित्यिक और दार्शनिक विषयों पर उन्होंने लेखन किया।

Explanation:

गद्यांश के आधार पर दिनकर जी की रचनाशीलता में उनकी बहुमुखी प्रतिभा (कविता व गद्य दोनों) और उनकी सरल-प्रांजल शैली प्रमुख विशेषताएँ हैं।

Q.1(v) [1 mark]

ज्ञानपीठ पुरस्कार का दिनकर जी के जीवन में क्या महत्त्व रहा ?

Answer: ज्ञानपीठ पुरस्कार का दिनकर जी के जीवन में अत्यधिक महत्त्व रहा। यह उनके जीवन के अंतिम अध्याय का स्वर्णिम क्षण सिद्ध हुआ। पुरस्कार पाकर वे अभिभूत हो गए क्योंकि सुधीजनों द्वारा अपनी रचनाओं की स्वीकृति को वे अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानते थे।

Explanation:

दिनकर जी के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार केवल सम्मान नहीं था बल्कि उनकी साहित्यिक उपलब्धि की विद्वत-समाज द्वारा स्वीकृति का प्रतीक था, जो उन्हें जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि लगी।

Q.2(i) [1 mark]

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए :

संध्या ने मेघों के कितने चित्र बनाये —
हाथी, घोड़े, पेड़, आदमी, जंगल, क्या-क्या
नहीं रच दिया और कभी रंगों से क्रीड़ा

की, आकृतियाँ नहीं बनायीं। कभी चलाए
झीने से बादल जिनमें चटकीली लाली
उभर उठी थी, जिनकी आभा हरियाली पर
थिरक उठी थी। जाते-जाते क्षितिजि-पटी पर
सूरज ने सोना बरसाया। छाया काली
बढ़ने लगी, रंग धीरे-धीरे फिर बदले,
पेंसिल के रेखा-चित्रों से बादल छाए।
विविधि रूप आकार बदलते से, ज्यों नहाए
हुए प्रकाश और छाया में, अपना पद ले।
रात उतर आयी, दिखिलायी दिये सितारे,
पेड़, गाँव अस्पष्ट दिखे, मानव-दृग हारे।

संध्या के आसमान के बारे में कवि का क्या कहना है ?

(a) आसमान को काले मेघों ने आच्छादित कर लिया है।
(b) चारों तरफ रंगों और आकृतियों की भीड़ है।
(c) आसमान में मेघों ने विभिन्न आकृतियाँ बनाईं। <<
(d) पशुओं की आकृतियों को बना उनमें रंग भरा।

Explanation:

काव्यांश में कवि ने वर्णन किया है कि संध्या के आसमान में मेघों ने हाथी, घोड़े, पेड़, आदमी, जंगल आदि विभिन्न आकृतियाँ बनाईं। अतः सही विकल्प (C) है।

Q.0 [0 mark]

क्षितिजि-पटी का रूप बार-बार क्यों बदलता रहा ?

I. प्रकाश और छाया के बदलते स्वरूप के कारण
II. संध्या के सूर्य की बदलती रोशनी और रंगों के कारण
III. आसमान में बादलों से बनी हाथी, घोड़े, पेड़ आदि आकृतियों के कारण

(a) केवल I और II <<
(b) I, II और III सभी
(c) केवल II और III
(d) केवल I और III

Explanation:

काव्यांश में क्षतिजि-पटी का रूप प्रकाश-छाया के बदलते स्वरूप और सूर्य की बदलती रोशनी व रंगों के कारण बदलता रहा। बादलों की आकृतियाँ इसका कारण नहीं बताया गया है। अतः सही वकिल्प (A) है।

Q.0 [0 mark]

कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त वकिल्प चुनिए :

कथन : आसमान में छाए बादलों को कवि ने पेंसलि से बनाए रेखा-चत्रि कहा है।

कारण : उनमें डूबते सूर्य की लाली भर गई है।

(a) कथन गलत है, कति कारण सही है।

(b) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(c) कथन सही है और कारण गलत है। <<

(d) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

Explanation:

काव्यांश में कवि ने बादलों को 'पेंसलि के रेखा-चत्रिों' की उपमा दी है क्योंकि वे रंगहीन और धुंधले हो गए, सूर्य की लाली नहीं, बल्कि रात के आगमन के कारण। अतः कथन सही है परंतु कारण गलत है।

Q.0 [0 mark]

काव्यांश के आधार पर संध्या के सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

Answer: संध्या के समय आकाश में मेघों ने हाथी, घोड़े, पेड़, आदमी, जंगल जैसी अनेक आकृतियाँ बनाईं। रंगों की क्रीड़ा हुई, चटकीली लाली उभरी और हरियाली पर प्रकाश थरिका। सूरज ने जाते-जाते क्षतिजि पर सोना बखिेरा, फरि धीरे-धीरे रंग बदले और रात उतर आई। यही संध्या का अनुपम सौंदर्य है।

Explanation:

काव्यांश में कवि ने संध्याकालीन प्रकृति के रंग-बरिंगे दृश्य का मनोरम वर्णन किया है — मेघों की आकृतियों से लेकर क्षतिजि पर सुनहरी आभा और फरि रात के आगमन तक।

Q.2(v) [1 mark]

काव्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए और उस शीर्षक को चुनने का तर्क भी लिखिए ।

Answer: उपयुक्त शीर्षक: 'संध्या का सौंदर्य' या 'संध्याकालीन छटा'। तर्क: पूरा काव्यांश संध्या के समय आकाश में होने वाले रंग-परविर्तन, मेघों की वभिन्नि आकृतियों और प्रकाश-छाया के खेल

का वर्णन करता है, इसलिए 'संध्या का सौंदर्य' सबसे उपयुक्त शीर्षक है।

Explanation:

काव्यांश की केंद्रीय विषयवस्तु संध्याकालीन प्रकृति का सौंदर्य है, इसलिए शीर्षक भी उसी से संबंधित होना चाहिए।

Q.3(k) [1 mark]

निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) मुक्तेश्वर की यात्रा में हमने हिमालय की अभिराम छवि को देखा । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

Answer: जब हम मुक्तेश्वर की यात्रा पर थे, तब हमने हिमालय की अभिराम छवि को देखा।

Explanation:

सरल वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलने के लिए उसमें एक मुख्य उपवाक्य और एक आश्रित उपवाक्य जोड़ा जाता है।

Q.0 [0 mark]

निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(ख) जब अधिक बारिश होती है तब सड़कों पर पानी भर जाता है । (सरल वाक्य में बदलिए)

Answer: अधिक बारिश होने पर सड़कों पर पानी भर जाता है।

Explanation:

मिश्र वाक्य को सरल वाक्य में बदलने के लिए आश्रित उपवाक्य को कृदंत वाक्यांश में बदला जाता है।

Q.3(g) [1 mark]

निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(ग) कल सोते समय मैंने एक सुंदर सपना देखा । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

Answer: कल मैं सो रहा था और मैंने एक सुंदर सपना देखा।

Explanation:

सरल वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलने के लिए दो स्वतंत्र उपवाक्यों को 'और', 'परंतु', 'किंतु' आदि समुच्चयबोधक से जोड़ा जाता है।

Q.0 [0 mark]

निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(घ) रेखा दीदी ने कहा कि शोर मत मचाओ। (आश्रित उपवाक्य पहचानिए और उसका भेद भी लिखिए)

Answer: आश्रित उपवाक्य: 'शोर मत मचाओ' — यह संज्ञा उपवाक्य (आज्ञार्थक) है जो मुख्य क्रिया 'कहा' का कर्म है।

Explanation:

जो उपवाक्य वाक्य में संज्ञा का काम करे उसे संज्ञा उपवाक्य कहते हैं। यहाँ 'शोर मत मचाओ' संज्ञा उपवाक्य है।

Q.3(d) [1 mark]

निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(ङ) श्री लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया था। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

Answer: यह सरल वाक्य है। इस वाक्य में एक ही उद्देश्य (श्री लाल बहादुर शास्त्री) और एक ही विधेय (नारा दिया था) है।

Explanation:

जिस वाक्य में एक ही मुख्य क्रिया हो और कोई आश्रित उपवाक्य न हो, वह सरल वाक्य कहलाता है।

Q.4(k) [1 mark]

निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) ड्राइवर ने ज़ोर से ब्रेक मारे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

Answer: ड्राइवर द्वारा ज़ोर से ब्रेक मारे गए।

Explanation:

कर्तृवाच्य को कर्मवाच्य में बदलने के लिए कर्ता के साथ 'द्वारा' जोड़ा जाता है और क्रिया को कर्म के अनुसार बदला जाता है।

Q.0 [0 mark]

निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :
(ख) वे कबीर के आदेशों पर चलते। (भाववाच्य में बदलिए)

Answer: उनसे कबीर के आदेशों पर चला जाता।

Explanation:

भाववाच्य में कर्ता के साथ 'से' विभक्ति लगती है और क्रिया सदा पुल्लिंग एकवचन में आती है।

Q.4(g) [1 mark]

निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :
(ग) नवाब साहब द्वारा दृढ़ निश्चय कर खीरों को उठाया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

Answer: नवाब साहब ने दृढ़ निश्चय कर खीरों को उठाया।

Explanation:

कर्मवाच्य को कर्तृवाच्य में बदलने के लिए 'द्वारा' हटाकर 'ने' लगाया जाता है और क्रिया को कर्ता के अनुसार बदला जाता है।

Q.0 [0 mark]

निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :
(घ) लेखक ने आत्मसम्मान निबाहना ही उचित समझा । (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

Answer: यह कर्तृवाच्य है। इस वाक्य में कर्ता 'लेखक' प्रधान है और क्रिया 'समझा' कर्ता के अनुसार है।

Explanation:

जिस वाक्य में कर्ता प्रधान हो और क्रिया कर्ता के लिंग-वचन के अनुसार हो, वह कर्तृवाच्य होता है।

Q.4(d) [1 mark]

निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(ड) कर्मवाच्य और भाववाच्य में मुख्य अंतर क्या है ?

Answer: कर्मवाच्य में क्रिया कर्म के अनुसार होती है और वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है, जबकि भाववाच्य में क्रिया सदा पुल्लिंग एकवचन में होती है और कार्य-भाव की प्रधानता होती है। भाववाच्य में कर्म नहीं होता।

Explanation:

कर्मवाच्य और भाववाच्य में मूल अंतर क्रिया के रूप और वाक्य में किसकी प्रधानता है — इससे पहचाना जाता है।

Q.5(k) [1 mark]

निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। (रेखांकित पद: उन्हें)

Answer: उन्हें — सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग (संदर्भानुसार), कर्म कारक।

Explanation:

पद-परिचय में सर्वनाम के लिए सर्वनाम का भेद, पुरुष, वचन, लिंग और कारक बताना होता है।

Q.0 [0 mark]

निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(ख) मैं अक्सर बाग में घूमता हूँ। (रेखांकित पद: अक्सर)

Answer: अक्सर — क्रियाविशेषण, कालवाचक क्रियाविशेषण, 'घूमता हूँ' क्रिया की विशेषता बताता है।

Explanation:

कालवाचक क्रियाविशेषण वह होता है जो क्रिया के होने का समय या आवृत्ति बताए।

Q.5(g) [1 mark]

निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(ग) अध्यापक ने बताया कि कल अवकाश है। (रेखांकित पद: कि)

Answer: कि — समुच्चयबोधक अव्यय, व्यधकिरण समुच्चयबोधक (subordinating conjunction), दो उपवाक्यों को जोड़ता है।

Explanation:

'कि' एक व्यधकिरण समुच्चयबोधक है जो मुख्य उपवाक्य और आश्रति उपवाक्य को जोड़ता है।

Q.0 [0 mark]

निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(घ) वह बी.ए. के अंतिम वर्ष का छात्र है। (रेखांकित पद: अंतिम)

Answer: अंतिम — विशेषण, क्रमवाचक/सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'वर्ष' संज्ञा की विशेषता बताता है।

Explanation:

जो शब्द किसी संज्ञा की क्रम संबंधी विशेषता बताए उसे क्रमवाचक विशेषण कहते हैं।

Q.5(d) [1 mark]

निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(ड) संन्यासी को भोजन दो। (रेखांकित पद: संन्यासी)

Answer: संन्यासी — संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक ('को' विभक्ति सहित)।

Explanation:

पद-परिचय में संज्ञा के लिए संज्ञा का भेद, लिंग, वचन और कारक बताना आवश्यक है।

Q.6(k) [1 mark]

निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा ।
व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा ।। (रेखांकित में कौन-सा अलंकार है ?)

Answer: रेखांकित पंक्ति 'कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा' में उपमा अलंकार है। यहाँ वचन की तुलना कोटि वज्रों से की गई है — 'सम' उपमावाचक शब्द है।

Explanation:

उपमा अलंकार में उपमेय की तुलना उपमान से किसी साधारण धर्म के आधार पर की जाती है। यहाँ वचन (उपमेय) की तुलना वज्र (उपमान) से 'सम' (वाचक शब्द) द्वारा की गई है।

Q.0 [0 mark]

निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(ख) चरण-कमल बंदौ हरि राई। (पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार की पहचान कीजिए)

Answer: इस पंक्ति में रूपक अलंकार है। यहाँ 'चरण' (उपमेय) पर 'कमल' (उपमान) का आरोप किया गया है — 'चरण-कमल' में दोनों को अभेद रूप में प्रस्तुत किया गया है।

Explanation:

रूपक अलंकार में उपमेय पर उपमान का आरोप किया जाता है अर्थात् उपमेय और उपमान को एक ही मान लिया जाता है।

Q.6(g) [1 mark]

निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(ग) मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के। (पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार की पहचान कीजिए)

Answer: इस पंक्ति में मानवीकरण (मानवीकरण अलंकार) है। यहाँ मेघों को मनुष्य की भाँति बन-ठनकर आते हुए दर्शाया गया है — निर्जीव मेघों में मानवीय क्रिया का आरोप है।

Explanation:

मानवीकरण अलंकार में प्रकृति या निर्जीव वस्तुओं पर मानवीय भावनाओं और क्रियाओं का आरोप किया जाता है।

Q.0 [0 mark]

निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(घ) अतिशयोक्ति अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण किसी काव्य पंक्ति के द्वारा दीजिए।

Answer: उदाहरण: 'हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग, लंका सगरी जल गई गए निशाचर भाग।' यहाँ लंका के जलने को बढ़ा-चढ़ाकर कहा गया है — यही अतिशयोक्ति अलंकार है।

Explanation:

अतिशयोक्ति अलंकार में किसी बात को इतना बढ़ा-चढ़ाकर कहा जाता है कि वह असंभव या अविश्वसनीय लगे।

Q.6(d) [1 mark]

निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(ड) उत्प्रेक्षा अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण कविता की पंक्तियों द्वारा समझाइए ।

Answer: उदाहरण: 'सोहत ओढ़े पीत पट, श्याम सलोने गात। मनहुँ नीलमणि शैल पर, आतप परयो प्रभात।।' यहाँ 'मनहुँ' उत्प्रेक्षावाचक शब्द है। श्रीकृष्ण के श्याम शरीर पर पीले वस्त्र को देखकर कवि को ऐसा लगता है मानो नीलमणि पर्वत पर प्रभात की धूप पड़ रही हो।

Explanation:

उत्प्रेक्षा अलंकार में उपमेय में उपमान की संभावना की जाती है — 'मानो', 'मनु', 'जनु', 'ज्यों' आदि वाचक शब्द प्रयुक्त होते हैं।

Q.7(i) [1 mark]

निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिलकुल गृहस्थ ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था। थोड़ी खेती-बारी भी थी, एक अच्छा साफ़-सुथरा मकान भी था।

किंतु, खेती-बारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे — साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता ! — कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते ! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते — जो उनके घर से चार कोस दूर पर था — एक कबीरपंथी मठ से मतलब ! वह

दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते !

लेखक के अनुसार बालगोबिन भगत 'बिलकुल गृहस्थ' कैसे थे ?

I. उनके पास खेती-बारी थी।

II. उनका एक अच्छा और साफ़-सुथरा मकान था।

III. उनके परिवार में बेटे और बहू के साथ-साथ उनकी गृहिणी भी मौजूद थी।

IV. वे एक पारिवारिक व्यक्ति थे।

(a) I, II और III

(b) II, III और IV

(c) III, IV और I

(d) I, II और IV <<

Explanation:

गद्यांश में उल्लेख है कि उनके पास खेती-बारी और अच्छा मकान था तथा वे पारिवारिक व्यक्ति थे। गृहिणी की याद लेखक को नहीं थी — अतः III गलत है और सही विकल्प (D) है।

Q.0 [0 mark]

कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन : गृहस्थ होते हुए भी बालगोबिन भगत साधु थे।

कारण : क्योंकि वे अपनी पारिवारिक भूमिका नहीं निभाते थे।

(a) कथन सही है, परंतु कारण गलत है। <<

(b) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(c) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(d) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

Explanation:

गद्यांश में स्पष्ट है कि बालगोबिन भगत गृहस्थ होते हुए भी साधु के सभी गुणों पर खरे थे — यह कथन सही है। किंतु कारण गलत है क्योंकि वे पारिवारिक भूमिका निभाते थे, साधु-जीवन के कारण नहीं बल्कि आदर्श जीवन के कारण साधु थे।

Q.0 [0 mark]

बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते थे — पंक्ति का आशय है :

(a) बालगोबनि भगत कबीर को बड़ा संत मानते थे।

(b) बालगोबनि भगत कबीर को ईश्वर-तुल्य मानते थे। <<

(c) बालगोबनि भगत कबीर को पिता-तुल्य मानते थे।

(d) बालगोबनि भगत कबीर को समाज-सुधारक मानते थे।

Explanation:

'साहब' का अर्थ है ईश्वर या प्रभु। बालगोबनि भगत कबीर को अपना ईश्वर-तुल्य आराध्य मानते थे, उन्हीं के गीत गाते और आदेशों पर चलते थे।

Q.0 [0 mark]

गद्यांश में वर्णित उदाहरणों में से किस उदाहरण को हम सबसे बड़ा प्रमाण बता सकते हैं, जिससे यह साबित हो कि बालगोबनि भगत कबीर को सबसे अधिक मानते थे ?

(a) सुबह-शाम, खेती-किसानी के समय भी कबीर के पदों को गाते रहना।

(b) कभी झूठ न बोलना और सबसे खरा व्यवहार करना।

(c) दूसरे के खेत में निवृत्त होने के लिए भी न जाना और सबसे दो-टूक व्यवहार करना।

(d) अपनी पूरी फसल को कबीर-दरबार में चढ़ाना और प्रसाद स्वरूप जो मिले उसे स्वयं के लिए लाना। <<

Explanation:

अपनी पूरी फसल कबीर-दरबार में भेंट करना और प्रसाद स्वरूप जो मिले उसी से गुज़र करना — यह सबसे बड़ा प्रमाण है कि वे कबीर को ईश्वर की तरह मानते थे।

Q.7(v) [1 mark]

अनुच्छेद में भगत के विषय में जो जानकारियाँ हैं, उस आधार पर वे हैं :

I. सत्यवादी

II. स्पष्टावादी

III. सच्चे भक्त

(a) I, II और III तीनों <<

(b) केवल III

(c) केवल I और III

(d) केवल II और III

Explanation:

गद्यांश में बताया गया है कि भगत कभी झूठ नहीं बोलते (सत्यवादी), दो-टूक बात करते (स्पष्टावादी) और कबीर को साहब मानकर उनकी भक्ति करते (सच्चे भक्त) थे। अतः तीनों सही हैं।

Q.8(k) [1 mark]

निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए :

(क) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में कैप्टन को देखकर हालदार साहब को धक्का क्यों लगा ? हालदार साहब के व्यक्तित्व, पाठ के घटना-क्रम और अपने विचारों के आधार पर किन्हीं दो कारणों को लिखिए।

Answer: हालदार साहब को धक्का इसलिए लगा क्योंकि: (1) कैप्टन एक साधारण-सी फेरीवाली बूढ़ी औरत थी जो असली चश्मे बेचती थी और नेताजी की मूर्ति पर नकली चश्मा लगाती रहती थी — यह सोचकर मन भर आया। (2) देशभक्ति की इस अनोखी अभिव्यक्ति को देखकर उनकी आँखें भर आईं।

Explanation:

कैप्टन चश्मेवाले की देशभक्ति की भावना ने हालदार साहब को भावुक कर दिया। यह पाठ की केंद्रीय संवेदना है।

Q.0 [0 mark]

निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए :

(ख) 'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका के जीवन के प्रसंगों के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में उसके बचपन की घटनाओं की बड़ी भूमिका होती है।

Answer: लेखिका मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व पर बचपन की घटनाओं का गहरा प्रभाव पड़ा। पिता की राजनीतिक चेतना, महिलाओं की दुर्दशा देखना, और कॉलेज में शिक्षिका शीला अग्रवाल के प्रभाव ने उनमें आत्मविश्वास और स्वतंत्र सोच जगाई। इन्हीं घटनाओं ने उन्हें लेखिका और सामाजिक चेतना संपन्न व्यक्ति बनाया।

Explanation:

बचपन की घटनाएँ व्यक्तित्व की नींव बनाती हैं। लेखिका का जीवन इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

Q.8(g) [1 mark]

निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए :

(ग) 'बिस्मिल्ला खाँ का जीवन, प्रतिभा और परिश्रम का अनूठा सम्मिश्रण है, कैसे ?' 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के संदर्भ में उत्तर दीजिए।

Answer: बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई बजाने की नैसर्गिक प्रतिभा मिली थी। उन्होंने बचपन से ही कठोर रियाज़ किया और काशी की गंगा-जमुनी संस्कृति में पले-बढ़े। उनका संगीत ईश्वर की इबादत था। प्रतिभा और परिश्रम के इस संयोग ने उन्हें विश्वविख्यात शहनाई वादक बनाया।

Explanation:

बिस्मिल्ला खाँ के जीवन में प्रतिभा और परिश्रम दोनों का समन्वय था — यही उनकी महानता का रहस्य है।

Q.0 [0 mark]

निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए :

(घ) 'सभ्यता' और 'संस्कृति' के बीच के अंतर को 'संस्कृति' पाठ के आधार पर समझाइए।

Answer: भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार, 'संस्कृति' मनुष्य की वह आंतरिक शक्ति है जो उसे नई खोज की ओर प्रेरित करती है। 'सभ्यता' उन खोजों और सुविधाओं का संग्रह है जो संस्कृति के परिणामस्वरूप प्राप्त होती हैं। अर्थात् संस्कृति कारण है और सभ्यता उसका परिणाम।

Explanation:

संस्कृति आंतरिक विकास है जबकि सभ्यता बाह्य विकास। दोनों परस्पर संबंधित हैं — संस्कृति से सभ्यता बनती है।

Q.9(i) [1 mark]

निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास

यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास
तब भी कहते हो – कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे – यह गागर रीती।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले –
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।
यह विडंबना! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।

कवि ने इन पंक्तियों में 'मधुप' का प्रयोग किस अर्थ में किया है?

(a) संसार रूपी भ्रमर
(b) मन रूपी भ्रमर <<
(c) लोलुप मित्रगण
(d) कविता के पाठक

Explanation:
इस काव्यांश में 'मधुप' (भ्रमर) का प्रयोग मन के प्रतीक के रूप में हुआ है जो गुनगुनाकर अपनी कहानी कहता है — अर्थात् मन की बातें।

Q.0 [0 mark]

'मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो' – के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

I. कवि के जीवन से सुख रूपी पत्तियाँ गिर रही हैं।
II. संसार में जीवन नश्वर है और एक न एक दिन सबको नष्ट होना है।
III. कवि के मित्र एक-एक कर साथ छोड़ते हुए जा रहे हैं।

(a) केवल II सही है।
(b) I, II और III तीनों सही हैं।
(c) I और II सही हैं।
(d) I और III सही हैं। <<

Explanation:
पत्तियों का मुरझाकर गिरना कवि के जीवन से सुख-समृद्धि के जाने और साथियों के बिछिड़ने का प्रतीक है। जीवन की नश्वरता का भाव भी निहित है। अतः I और III दोनों सही हैं।

Q.0 [0 mark]

कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन : कवि अपनी आत्मकथा नहीं लिखना चाहता है।

कारण : महान लोगों की असंख्य आत्मकथाएँ इस साहित्य संसार में पहले से ही मौजूद है।

(a) कथन सही है, परंतु कारण गलत है।

(b) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(c) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। <<

(d) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

Explanation:

कवि (जयशंकर प्रसाद) आत्मकथा लिखने से इसलिए परहेज करते हैं क्योंकि अनेक महापुरुषों की आत्मकथाएँ पहले से मौजूद हैं — यह कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

Q.0 [0 mark]

कवि ने अपने मित्रों/पाठकों से क्या-क्या सवाल किए हैं ?

I. क्या तुम मेरे जीवन का खालीपन देख सुखी हो पाओगे ?

II. आत्मकथाओं का व्यंग्य और उपहास उड़ाया जाता है, ऐसे में तुम क्यों चाहते हो कि मैं अपनी दुर्बलता लिखूँ ?

III. क्या मेरे जीवन का सुख लेकर तुमने अपने जीवन को भर लिया है ?

(a) I, II और III तीनों <<

(b) केवल I और III

(c) केवल I और II

(d) केवल II और III

Explanation:

काव्यांश में कवि ने तीनों प्रकार के प्रश्न उठाए हैं — जीवन के खालीपन को देखकर सुख पाना, दुर्बलता उजागर करवाना और जीवन का रस लेकर स्वयं को भरना। अतः तीनों सही हैं।

Q.9(v) [1 mark]

कवि विडंबना किसे कह रहा है ?

(a) इस संसार में सीधेपन का मज़ाक उड़ाया जाता है। <<

(b) दोस्त-मित्र ही अकसर छल करते हैं।

(c) सच्ची आत्मकथाओं का भी उपहास उड़ाया जाता है।

(d) जीवन अपनी भूलों और दूसरों की प्रवंचनाओं का मिश्रण मात्र होता है।

Explanation:

कवि 'सरलते' (सरलता) को संबोधित करते हुए कहता है कि संसार में सीधेपन और सरलता का मज़ाक उड़ाया जाता है — यही विडंबना है।

Q.10(k) [1 mark]

निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए :

(क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में राम की उपस्थिति शब्दों में कम परंतु प्रभाव में अधिक है, कैसे ? दो बिंदुओं में उनके प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

Answer: राम का प्रभाव: (1) राम ने बहुत कम शब्दों में विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया जिससे उनकी गंभीरता और शालीनता प्रकट हुई। (2) उनके शांत और तर्कपूर्ण वचनों ने परशुराम के क्रोध को शांत करने में सहयोग दिया और उनकी प्रभावशाली उपस्थिति सिद्ध हुई।

Explanation:

राम की शांतिपूर्ण वाणी और विनम्र व्यवहार उनके चरित्र की विशेषता है। कम शब्दों में अधिक प्रभाव — यही उनकी महानता है।

Q.0 [0 mark]

निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए :

(ख) 'संगतकार' का मुख्य काम क्या होता है ? क्या कविता में वर्णित 'संगतकार' अपने काम में सफल है ? सोदाहरण लिखिए।

Answer: संगतकार का काम मुख्य गायक की आवाज़ को सहारा देना और उसके साथ तालमेल बनाए रखना है। कविता में वह अपने काम में सफल है — जब मुख्य गायक की आवाज़ लड़खड़ाती है तो संगतकार की आवाज़ उसे सँभालती है और उसे एकाकीपन का अहसास नहीं होने देती।

Explanation:

संगतकार मुख्य गायक का सहायक होता है जो उसे थामे रहता है — यही उसकी सफलता है।

Q.10(g) [1 mark]

निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के

उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए :

(ग) 'उत्साह' कविता का कवि परिवर्तन की कामना किन कारणों से कर रहा है ? किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

Answer: निराला ने 'उत्साह' में बादल से परिवर्तन की कामना इसलिए की है: (1) समाज में व्याप्त शोषण, अन्याय और निराशा से मुक्ति के लिए — बादल नई क्रांति का प्रतीक है। (2) उमस और ताप से पीड़ित जन-जीवन में नई जीवनी शक्ति और उत्साह भरने के लिए।

Explanation:

बादल क्रांति और परिवर्तन का प्रतीक है। कवि चाहता है कि बादल की तरह समाज में भी बदलाव की बाढ़ आए।

Q.0 [0 mark]

निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए :

(घ) 'फ़सल' के लिए आवश्यक कारकों का उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए।

Answer: नागार्जुन की कविता 'फ़सल' के अनुसार फसल के लिए आवश्यक कारक हैं: (1) असंख्य हाथों का श्रम — किसानों और मजदूरों की मेहनत। (2) नदियों का पानी और मिट्टी की उर्वरा शक्ति। (3) सूरज की किरणें और हवाएँ। ये सब मिलकर फसल को जन्म देते हैं।

Explanation:

फसल सामूहिक प्रयास का परिणाम है — प्रकृति और मनुष्य दोनों के योगदान से बनती है।

Q.11(k) [1 mark]

पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए :

(क) 'माता का अँचल' पाठ में बच्चों का पशु-पक्षियों के प्रति कैसा व्यवहार दिखता है ? उदाहरण सहित लिखिए । पशु-पक्षियों के प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए ? अपने विचारों के आधार पर लिखिए।

Answer: 'माता का अँचल' में बच्चे पशु-पक्षियों के साथ स्नेह और मैत्री भाव से खेलते हैं। वे चूहे पकड़ते, भौंरे और तितलियाँ पकड़ते, बंदर के बच्चों से खेलते हैं। यह निर्दोष सहचर्य है। हमारा व्यवहार पशु-पक्षियों के प्रति करुणा और सहानुभूति से भरा होना चाहिए — उन्हें कष्ट न देना, उनके आवास की रक्षा करना और उनके प्रति संवेदनशील रहना हमारा दायित्व है।

Explanation:

बचपन की निर्दोष प्रकृति-प्रेम की भावना और पशु-पक्षियों के प्रति मानवीय संवेदना का यह पाठ सुंदर चित्रण करता है।

Q.0 [0 mark]

पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए :

(ख) 'पत्थर तोड़ती मज़दूर पहाड़ी महिलाओं के भीतर जीवन का उल्लास मौजूद था' — यह कथन किस आधार पर कहा जा सकता है ? उन स्त्रियों और उनकी जीवन स्थितियों का वर्णन करते हुए बताइए कि आप उनसे क्या सीख सकते हैं।

Answer: पत्थर तोड़ती पहाड़ी महिलाएँ कठोर परिश्रम करती थीं — गर्म धूप में, पत्थर तोड़ते हुए भी वे गाती-गुनगुनाती थीं। उनके चेहरे पर थकान के बावजूद प्रसन्नता थी। उनकी जीवन-स्थिति कठिन थी — गरीबी, शारीरिक श्रम, फिर भी उत्साह। हम उनसे सीख सकते हैं: कठिनाइयों में भी हिम्मत न हारना, परिश्रम को सम्मान देना और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखना।

Explanation:

यह पाठ संघर्ष में भी जीवन-जिजीविषा बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

Q.11(g) [1 mark]

पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए :

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर प्रत्यक्ष अनुभव और अनुभूति का अंतर स्पष्ट करते हुए बताइए कि अगर आप कभी लेखन के क्षेत्र में गए तो दोनों में से किसे महत्त्व देंगे और क्यों ?

Answer: अज्ञेय के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव वह है जो आँखों से देखा जाए — बाहरी घटनाएँ। अनुभूति वह आंतरिक अनुभव है जो हृदय को गहराई से छूती है और भावनात्मक रूप से हिलाती है। लेखन में अनुभूति अधिक महत्त्वपूर्ण है। यदि मैं लेखन के क्षेत्र में जाऊँ तो अनुभूति को प्राथमिकता दूँगा क्योंकि वह पाठक के हृदय तक पहुँचती है और साहित्य को सच्चा और प्रभावशाली बनाती है।

Explanation:

प्रत्यक्ष अनुभव बाह्य है जबकि अनुभूति आंतरिक — सच्चे साहित्य का आधार अनुभूति ही है।

Q.12(k) [1 mark]

निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :

(क) डिजिटल दौर में मानवीय संपर्क

संकेत-बिंदु: मानवीय संपर्कों और संबंधों की आवश्यकता; बढ़ते डिजिटल दौर में वास्तविक संबंधों में कमी और वायवीय (वर्चुअल) संबंधों के रूप; वर्तमान समय की माँग

Answer: डिजिटल दौर में मानवीय संपर्क

आज के डिजिटल युग में मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने संचार को आसान बना दिया है, परंतु मानवीय संबंधों की गहराई कम होती जा रही है। पहले परिवार, मित्र और पड़ोसी आमने-सामने बैठकर बातें करते थे; अब 'लाइक' और 'इमोजी' से रिश्ते निभाए जाने लगे हैं। वर्चुअल दुनिया में हम सैकड़ों 'फ्रेंड्स' से जुड़े हैं किंतु सच्चे मित्र नहीं मिलते। मानसिक तनाव और अकेलापन बढ़ रहा है। वर्तमान समय की माँग है कि हम डिजिटल साधनों का उचित उपयोग करें और वास्तविक मानवीय संपर्क को भी बनाए रखें ताकि जीवन संतुलित और सुखी बन सके।

Explanation:

डिजिटल युग में असली रिश्तों की अहमियत को समझना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :

(ख) पारंपरिक खान-पान के लाभ

संकेत-बिंदु: पारंपरिक खान-पान क्या है ? भोजन में स्थानीय पदार्थों का महत्त्व क्यों होता है ? स्वास्थ्य की दृष्टि से इसका महत्त्व

Answer: पारंपरिक खान-पान के लाभ

पारंपरिक खान-पान वह है जो हमारे पूर्वजों की जीवन-शैली और स्थानीय उपज पर आधारित है — जैसे दाल-रोटी, खिचड़ी, मोटे अनाज, घर का घी, हरी सब्ज़ियाँ और मौसमी फल। स्थानीय पदार्थों से बना भोजन हमारी जलवायु और शरीर के अनुकूल होता है। इसमें कृत्रिम रंग और परिरक्षक नहीं होते। आयुर्वेद के अनुसार हमारा पारंपरिक भोजन रोगों से बचाता है और पाचन शक्ति बढ़ाता है। आज फास्ट फूड और जंक फूड से मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग बढ़ रहे हैं। पारंपरिक खान-पान को

अपनाकर हम स्वस्थ और दीर्घायु जीवन जी सकते हैं।

Explanation:

पारंपरिक आहार शरीर के अनुकूल और प्राकृतिक होता है जो स्वास्थ्य की दृष्टि से सर्वोत्तम है।

Q.12(g) [1 mark]

निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :

(ग) पुस्तकें आज भी हमारी सबसे अच्छी मित्र हैं

संकेत-बिंदु: अच्छी पुस्तकें कैसे एक अच्छे मित्र की तरह होती हैं; वर्तमान समय में भी पुस्तकों की जगह बची हुई है; उम्र के हर मोड़ पर अलग-अलग तरह की पुस्तकें मददगार होती हैं

Answer: पुस्तकें आज भी हमारी सबसे अच्छी मित्र हैं

एक सच्चा मित्र वही है जो सुख-दुख में साथ दे, सही राह दिखाए और कभी धोखा न दे — पुस्तकें यही करती हैं। बचपन में कहानियाँ कल्पना जगाती हैं, युवावस्था में ज्ञान और प्रेरणा देती हैं, और बुढ़ापे में संगती देती हैं। डिजिटल युग में भी पुस्तकों की जगह बची हुई है क्योंकि उनसे मिलने वाला गहरा चिंतन और एकाग्रता किसी स्क्रीन से नहीं मिलती। पुस्तकें हमें सोचना, समझना और जीवन को बेहतर ढंग से जीना सिखाती हैं। इसीलिए कहा गया है — 'एक अच्छी पुस्तक सौ मित्रों के बराबर है।'

Explanation:

पुस्तकें ज्ञान और मित्रता का सबसे पुराना और विश्वसनीय स्रोत हैं।

Q.13(k) [1 mark]

आपका नाम हमिानी/हेमराज है। आपने अपने माता-पिता को बातचीत करते सुना कि वे आपकी मोबाइल फोन में डूबे रहने और गेमिंग की दुनिया में खोने की आदतों से परेशान होकर आपको एक आवासीय विद्यालय (बोर्डिंग स्कूल) में भेजना चाह रहे हैं। अपने पिता को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि वे ऐसा न करें। तर्कपूर्ण बिंदुओं में यह भी स्पष्ट कीजिए कि आप स्वयं में किस प्रकार सुधार लाएँगे।

Answer: सेवा में,

पूजनीय पिताजी,

सादर प्रणाम।

मुझे ज्ञात हुआ कि आप मेरी मोबाइल और गेमिंग की आदतों के कारण मुझे बोर्डिंग स्कूल भेजने का विचार कर रहे हैं। मैं वादा करता/करती हूँ कि अब ऐसा नहीं होगा। मैं दिन में अधिकतम एक घंटे से कम मोबाइल का उपयोग करूँगा/करूँगी। पढ़ाई को प्राथमिकता दूँगा/दूँगी। रात को सोने से पहले फोन बंद कर दूँगा/दूँगी। घर में रहकर परिवार के साथ समय बिताऊँगा/बिताऊँगी। कृपया मुझे एक अवसर दीजिए। मैं आपकी उम्मीदों पर खरा/खरी उतरूँगा/उतरूँगी।

आपका/आपकी आज्ञाकारी पुत्र/पुत्री
हेमराज/हमिनी

Explanation:
यह एक औपचारिक पारिवारिक पत्र है जिसमें तर्कपूर्ण बिंदुओं के साथ स्वयं में सुधार का वादा किया गया है।

OR

Q.13(k) [1 mark]

अथवा — आपका नाम हमिनी/हेमराज है। नगर-निगम ने आपके मोहल्ले में स्थित पार्क का सौंदर्यीकरण करवाया है साथ ही बच्चों के लिए झूलों की व्यवस्था की है। इस संदर्भ में धन्यवाद ज्ञापन देते हुए नगर-निगम अध्यक्ष को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

Answer: सेवा में,
श्रीमान नगर-निगम अध्यक्ष महोदय,
[नगर का नाम]

विषय: पार्क के सौंदर्यीकरण हेतु धन्यवाद।

महोदय,

मैं हमिनी/हेमराज, मोहल्ला [नाम], निवासी हूँ। हम मोहल्लेवासी हृदय से आभारी हैं कि निगर-निगम ने हमारे पार्क का सौंदर्यीकरण करवाया और बच्चों के लिए झूलों की व्यवस्था की। अब बच्चे सुरक्षित वातावरण में खेल सकते हैं और बुजुर्ग हरे-भरे वातावरण में समय बिता सकते हैं। यह कदम

स्वास्थ्य और सामुदायिक जीवन की दृष्टि से अत्यंत सराहनीय है। भविष्य में भी इस प्रकार की सुविधाएँ बनाए रखने का अनुरोध है।

धन्यवाद सहित
हिमानी/हेमराज

Explanation:
यह एक औपचारिक धन्यवाद पत्र है जिसमें शिष्टाचार और उचित पत्र-प्रारूप का पालन किया गया है।

Q.14(k) [1 mark]

आप अमन/आमना हैं और अभी-अभी आपने 'पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल' से एम.बी.बी.एस. की डिग्री पूरी की है। वहाँ पर इंटर्न डॉक्टर के पद पर आवेदन करने के लिए लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

Answer: स्ववृत्त (Biodata/CV)

नाम: अमन/आमना [उपनाम]
पिता का नाम: श्री [नाम]
जन्म तिथि: [तिथि]
पता: [पता]
संपर्क: [मोबाइल नंबर]
ई-मेल: [ईमेल]

शैक्षणिक योग्यता:
- एम.बी.बी.एस. — पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, [वर्ष]
- कक्षा 12 (विज्ञान) — [विद्यालय का नाम], [वर्ष]

कौशल: रोगी-देखभाल, टीमवर्क, आपातकालीन प्रबंधन

उद्देश्य: इंटर्न डॉक्टर के रूप में अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग रोगियों की सेवा में करना।

घोषणा: उपर्युक्त जानकारी सत्य है।

हस्ताक्षर: अमन/आमना

Explanation:

स्ववृत्त में व्यक्तगित जानकारी, शैक्षणकि योग्यता, कौशल और उद्देश्य का उल्लेख करना आवश्यक है।

OR

Q.14(k) [1 mark]

अथवा — आप आमना/अमन हैं। अ.ब.स. बैंक के प्रबंधक को, एक शहर से दूसरे शहर में बचत खाता स्थानांतरति करने की प्रक्रयिा जानने हेतु लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लखिए।

Answer: प्रेषक: amna.aman@gmail.com

प्राप्तकर्ता: manager.abs.bank@absbank.com

वषिय: बचत खाता स्थानांतरण की जानकारी हेतु

महोदय/महोदया,

मेरा नाम आमना/अमन है। मेरा बचत खाता संख्या [XXXXXXXX] आपकी [शहर का नाम] शाखा में है। मैं अब [नए शहर का नाम] में स्थानांतरति हो गई/गया हूँ और अपना खाता वहाँ की शाखा में स्थानांतरति करना चाहती/चाहता हूँ। कृपया मुझे इस प्रक्रयिा, आवश्यक दस्तावेज़ों और समय-सीमा के बारे में जानकारी दें।

धन्यवाद

आमना/अमन

संपर्क: [नंबर]

Explanation:

बैंक को ई-मेल लखिते समय वनिम्र भाषा, स्पष्ट वषिय-रेखा और सभी आवश्यक ववरिण देना आवश्यक है।

Q.15(k) [1 mark]

आपकी बहन ने 'दयिारा' नाम से पॉल्ट्री (मुर्गीपालन) का व्यवसाय ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से शुरू कयिा है। इस कंपनी की खूबयिों को दर्शाने वाला एक आकर्षक

विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में बनाइए।

Answer: ✦ दियारा पॉल्ट्री ✦

ताज़ा • पौष्टिक • भरोसेमंद

शुद्ध देसी अंडे और मुर्गी — सीधे फार्म से आपके घर तक!

ऑनलाइन ऑर्डर करें या नज़दीकी आउटलेट से खरीदें।
स्वास्थ्यवर्धक आहार के लिए — 'दियारा' चुनें।

संपर्क करें: [नंबर] | www.diyara.com

Explanation:
विज्ञापन में उत्पाद की विशेषताएँ, आकर्षक भाषा और संपर्क जानकारी होनी चाहिए।

OR

Q.15(k) [1 mark]

अथवा — आपका नाम सोमा/सोमप्रभ है। अपने मामा-मामी को नए घर की बधाई देते हुए गृहप्रवेश के अवसर पर शुभकामना संदेश लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

Answer: प्रिय मामा-मामी,

नए घर की हार्दिक बधाई और गृहप्रवेश की असंख्य शुभकामनाएँ! ईश्वर करे यह घर सदा सुख-समृद्धि और हँसी-खुशी से भरा रहे। आप दोनों स्वस्थ और प्रसन्न रहें — यही मेरी कामना है।

स्नेहपूर्वक,
सोमा/सोमप्रभ

Explanation:
शुभकामना संदेश में प्रेम, शुभकामनाएँ और आशीर्वाद का भाव होना चाहिए — भाषा सरल और हार्दिक होनी चाहिए।